बांग्लादेश वनडे श्रृंखला से बाहर हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बड़ा झटका लगा है। कप्तान मिचेल मार्श और स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में जोश इंगलिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

मार्श और हेड हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 से गंवाई गई एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। मार्श अभी टखने की चोट से उबर रहे हैं, जबकि हेड को निजी कारणों से अवकाश दिया गया है।

आस्ट्रेलिया को एक और झटका लेग स्पिनर तनवीर संघा के रूप में लगा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके कारण वे बांग्लादेश दौरे से बाहर हो गए हैं।

हालांकि मिचेल मार्श टीम के साथ बांग्लादेश जाएंगे और वहीं पुनर्वास प्रक्रिया जारी रखेंगे। उम्मीद की जा रही है कि वह इसके बाद होने वाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला तक वापसी कर सकते हैं।

पाकिस्तान दौरे के बाद स्वदेश लौटने वाले युवा बल्लेबाज़ ओली पीक और हरफनमौला खिलाड़ी मैट शार्ट अब टीम के साथ बने रहेंगे। वहीं तनवीर संघा की जगह आफ स्पिनर टाड मर्फी को टीम में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि तनवीर संघा की चोट के कारण वह दौरे में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को उम्मीद थी कि मिचेल मार्श वनडे श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे, लेकिन उन्हें अभी और समय चाहिए।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम:

जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कानोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंगलिस (कप्तान), मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, टाड मर्फी, ओली पीक, मैथ्यू रेनशा, लियाम स्काट, मैट शार्ट, एडम ज़म्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की टी-20 टीम:

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कानोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरान हार्डी, जोश इंगलिस, स्पेंसर जानसन, मैथ्यू कुहनेमन, राइली मेरिडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशा, एडम ज़म्पा।

न्यूज ब्रीफ

डेनमार्क-यूक्रेन मैत्री मैच के दौरान फिर गिरे क्रिस्टियन एरिक्सन, मुकाबला बीच में रोका गया

ओडेन्से। क्रिस्टियन एरिक्सन रविवार को एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े, जिसके बाद डेनमार्क और यूक्रेन के बीच खेला जा रहा अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबला बीच में ही रोक दिया गया। घटना डेनमार्क के ओडेन्से स्थित नेचर एनर्जी पार्क में हुई। मुकाबले के दूसरे हाफ में डेनमार्क 2-1 से आगे था, तभी एरिक्सन ने अपने सीने की ओर हाथ ले जाते हुए मैदान पर गिरना शुरू किया। तुरंत चिकित्सा टीम मैदान पर पहुंची और खेल रोक दिया गया। बाद में डेनिश फुटबॉल संघ ने पुष्टि की कि एरिक्सन होश में हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। मुकाबले को रद्द कर दिया गया। डेनिश फुटबॉल संघ के अनुसार राष्ट्रीय टीम के डॉक्टर मॉर्टन बोएसन ने बताया कि एरिक्सन खुद चलकर मैदान से बाहर गए और उनके शरीर में लगा हृदय उपकरण अपेक्षित तरीके से काम कर गया। डॉक्टर के अनुसार, एरिक्सन कुछ समय के लिए बेहोश हुए थे लेकिन बहुत जल्दी होश में लौट आए और उनसे बातचीत भी हुई। उन्होंने अपने साथियों को संदेश भेजकर बताया कि वह ठीक हैं। इस घटना ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों को पांच साल पहले की उस घटना की याद दिला दी, जब यूरोपीय चैम्पियनशिप 2021 (यूरो 2020) के दौरान फ़िनलैंड के खिलाफ मैच में एरिक्सन को मैदान पर हृदयाघात हुआ था और कुछ मिनटों तक उनका हृदय रुक गया था। उस समय मैदान पर ही उन्हें चिकित्सकीय सहायता देकर बचाया गया था। उस घटना के बाद एरिक्सन के शरीर में विशेष हृदय उपकरण लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए क्लब फुटबॉल में दोबारा खेलना शुरू किया और आगे चलकर कई क्लबों का हिस्सा बने। फिलहाल एरिक्सन को आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना के कारण मुकाबला दोबारा शुरू नहीं कराया गया।

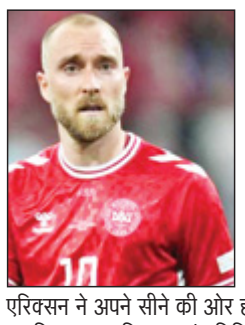

फ्लोरेंटिनो पेरेज़ फिर बने रियल मैड्रिड के अध्यक्ष, 20 साल बाद हुए चुनाव में दर्ज की जीत

स्पेन। रियल मैड्रिड के अध्यक्ष पद के चुनाव में फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने एक बार फिर जीत हासिल करते हुए अगले चार वर्षों के लिए अपना कार्यकाल सुरक्षित कर लिया है। रविवार को हुए चुनाव में उनकी जीत के साथ वह लगातार क्लब की कमान संभालते रहेंगे। यह पिछले 20 वर्षों में पहली बार था जब क्लब में अध्यक्ष पद के लिए वास्तविक मुकाबला देखने को मिला। इससे पहले पेरेज़ वर्ष 2009, 2013, 2017, 2021 और 2025 में बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के निर्वाचित हुए थे। रियल मैड्रिड के आधिकारिक टीवी चैनल के अनुसार, पेरेज़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी एनरिके रिकेल्मे को हराया। हालांकि क्लब की ओर से अभी आधिकारिक मतगणना जारी नहीं की गई है। पेरेज़ की इस जीत के बाद क्लब में पूर्व मुख्य कोच जोस मोरिन्हो की वापसी की संभावनाएं भी तेज मानी जा रही हैं। मोरिन्हो इससे पहले 2010 से 2013 तक रियल मैड्रिड के मुख्य कोच रह चुके हैं और चुनाव अभियान के दौरान भी उनका नाम प्रमुखता से सामने आया। जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए पेरेज़ ने कहा कि उनका लक्ष्य रियल मैड्रिड को आगे भी अधिक से अधिक खिताब दिलाना है। जीत का जश्न सोमवार सुबह तक जारी रहा। 79 वर्षीय फ्लोरेंटिनो पेरेज़ पहली बार वर्ष 2000 में रियल मैड्रिड के अध्यक्ष बने थे और 2006 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 2009 में उन्होंने दोबारा वापसी की। उनके कार्यकाल के दौरान क्लब ने सात यूरोपीय कप जीते और कुल 15 महाद्वीपीय खिताबों के रिकार्ड तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना : अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लास एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करतीहैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है।

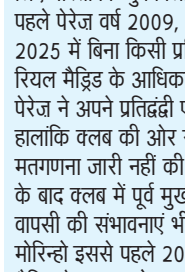

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग : भोपाल लेपर्ड्स ने रीवा जगुआर के जबड़े से छीनी जीत

204 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर भोपाल ने दर्ज की रोमांचक जीत

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 में रविवार की रात होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग साबित हुई। रीवा जगुआर और भोपाल लेपर्ड्स के बीच खेला गया 10वां मुकाबला रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंच गया। आखिरी ओवर तक चले इस कांटे के मुकाबले में भोपाल लेपर्ड्स ने 3 विकेट से जीत दर्ज कर अंक तालिका में अपनी धाक जमा दी है। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रीवा जगुआर की ओर से अक्षत रघुवंशी ने टूर्नामेंट की अब तक की सबसे विध्वंसक पारी खेली। अक्षत ने 32 गेंदों में 85 रन जड़कर भोपाल के गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर दौड़ाया। उनकी पारी में 6 चौके व 9 गगनचुंबी छक्के शामिल थे, जो इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण रहे। उनके अलावा सागर सोलंकी ने 48 रनों का बेहतरीन योगदान दिया। हालांकि, रीवा की पारी का अंत थोड़ा निराशाजनक रहा क्योंकि 153 रन पर 4 विकेट होने के बाद टीम अंतिम 27 गेंदों में केवल 50 रन ही जोड़ सकी। यही रनों का सूखा अंत में उनकी हार की बड़ी वजह बना। भोपाल की तरफ से हिमांशु शिंदे सबसे किफायती और सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में केवल 21 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर रीवा के स्कोर पर प्रभावी अंकुश लगाया। प्रियांशु शुक्ला व अजय मिश्रा को भी 2-2 सफलतां मलिी। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पावरप्ले के 6 ओवरों में 73 रन कूटकर टीम ने इरादे साफ कर दिए थे। राहुल चंदरोल ने 21 गेंदों में 44 रन बनाकर भोपाल की नींव रखी, जबकि हिमांशु शिंदे ने 37 रन बनाकर मध्यक्रम को मजबूती दी। मैच का रोमांच तब चरम पर पहुंचा जब अंतिम 3 ओवरों में 36 रनों की दरकार थी। यहाँ कमल त्रिपाठी ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण पेश किया। कमल ने महज 13 गेंदों में नाबाद 29 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 19.3 ओवर में विजयी छक्का जड़कर भोपाल के खेमे में जश्न का माहौल बना दिया।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयार्क। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबाल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं। इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी। पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डालर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डालर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

मयंक चतुर्वेदी इंटर-हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता में रोहित शर्मा और विराट कोहली हाउस विजयी

भोपाल। मयंक चतुर्वेदी इंटर-हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता में आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें रोहित शर्मा हाउस और विराट कोहली हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी जीत दर्ज की।

पहले मैच में रोहित शर्मा हाउस ने युवराज सिंह हाउस को 59 रन से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा हाउस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 131 रन बनाए। काव्यांश ने 38 गेंदों पर 51 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी युवराज सिंह हाउस की टीम 20 ओवर में केवल 72 रन पर सिमट गई। काव्यांश ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके और मैन ऑफ द मैच बने। दूसरे मुकाबले में विराट कोहली हाउस ने सूर्या कुमार यादव हाउस को 44 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली हाउस ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन बनाए, जिसमें अंशुमान ने 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। जवाब में सूर्या कुमार यादव हाउस की टीम 103 रन पर ऑलआउट हो गई। रियांश ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हासिल किए और मैच के हीरो बने। दोनों मैचों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को डॉ. सुशील सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता भोपाल संभाग क्रिकेट संघ द्वारा पुरस्कृत किया गया।

विधायक ट्रॉफी 2026: दक्षिण पश्चिम विधानसभा में रोमांचक मुकाबले, फाइनल आज खेला जाएगा

भोपाल। नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा आयोजित विधायक ट्रॉफी 2026 दक्षिण पश्चिम विधानसभा का आयोजन 1 जून से 9 जून तक नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में किया जा रहा है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 9 जून को खेला जाएगा। टेनिस बॉल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट को देखने बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंच रहे हैं। दर्शकों को फ्री कूपन दिए जा रहे हैं और 21 भाग्यशाली दर्शकों को उपहार प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन में समिति के संरक्षक एवं विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा विजेता टीमों को पुरस्कृत किया जा रहा है। टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मैच में फाइटर किंग इलेवन ने भोपाल पुलिस इलेवन को 39 रन से हराया। सचिन ने घातक गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में 17 रन देकर 5 विकेट झटके।

अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल टेबल ऑफिशियल बने गोविंद सेन

गुना। व्यायाम शिक्षक शिक्षा विभाग मे राघोगढ़ में पदस्थ श्री गोविंद सेन के लिए गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब बास्केटबॉल कोच एवं रेफ़री गोविंद सेन को अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ द्वारा 31 अगस्त 2028 तक के लिए अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल टेबल ऑफिशियल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि के पूर्व दो बार अंतरराष्ट्रीय स्कूल गेम में रेफरी की भूमिका तथा आनेको बार स्कूली शिक्षा विभाग की मध्य प्रदेश टीम के कोच के रूप में नियुक्त रहे अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में आधिकारिक रूप से अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। यह उपलब्धि विशेष इसलिए भी है क्योंकि श्री गोविंद सेन गुना शहर के पहले अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल टेबल ऑफिशियल बने हैं।

खेलों के विकास तथा बास्केटबॉल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित मान्यता प्रदान की गई है। गोविंद सेन लंबे समय से जिले में बास्केटबॉल के प्रचार-प्रसार, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे पिछले कई वर्षों से भारतीय बास्केटबॉल संघ की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, सीबीएसई तथा आईपीएससी में निर्णायक के रूप में तथा दो बार एशियन स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2009 मकाउ चीन एवं वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2015 फ्रांस लिमोजिस मैं निर्णायक की भूमिका निभा चुके हैं। युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में उनके योगदान की व्यापक सराहना की जाती रही है। गुना जिले को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों एवं मध्य प्रदेश बास्केटबॉल संघ के महासचिव अविनाश आनंद तथा अध्यक्ष कुलविंदर सिंह गिल सहित समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश बास्केटबॉल संघ से एवं अन्य जिलों के पदाधिकारियों ने इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल गोविंद सेन के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के बास्केटबॉल समुदाय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रचा इतिहास पहली बार बने ग्रैंड स्लैम चैंपियन

पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में फ्लेवियो कोबोली को दी मात; 30 करोड़ रुपये की इनामी राशि पर जमाया कब्जा

पेरिस

रविवार को पेरिस के ऐतिहासिक फिलिप-चेट्रियर स्टेडियम में टेनिस जगत को एक नया बादशाह मिल गया। पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लेवियो कोबोली को पांच सेटों के रोमांचक संघर्ष में 6-1, 4-6, 6-4, 7-6(5), 6-1 से पराजित कर फ्रेंच ओपन 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार का दंश झेल चुके 29 वर्षीय ज्वेरेव ने इस जीत के साथ अपने करियर के सबसे बड़े सूखे को समाप्त किया और पेरिस की लाल मिट्टी पर अपनी बादशाहत कायम की।

मैच की शुरुआत से ही ज्वेरेव ने अपनी लय और आक्रामकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहला सेट बिना किसी परेशानी के 6-1 से अपने नाम कर एक मजबूत शुरुआत की। हालांकि, फ्लेवियो कोबोली ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता दिखाते हुए इसे 6-4 से जीता, लेकिन चौथे सेट के टाइ-ब्रेकर में कोबोली ने ज्वेरेव की सर्विस तोड़ते हुए मैच को पांचवें और निर्णायक सेट तक खींच लिया।

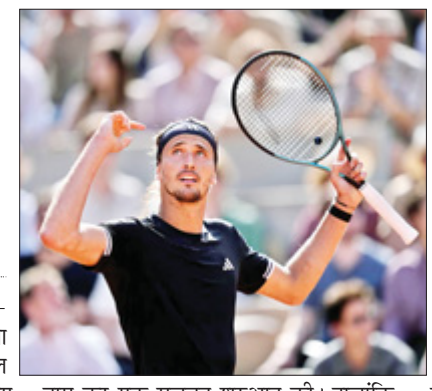

मैच के पांचवें और अंतिम सेट में ज्वेरेव ने अपने अनुभव का बखूबी उपयोग किया। शारीरिक थकान के बावजूद, जर्मन खिलाड़ी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और कोबोली की सर्विस को तीन बार ब्रेक करते हुए मात्र 39 मिनट में सेट को 6-1 से अपने नाम कर लिया। अंतिम गेम में कोबोली के एक अनफोर्स्ड एरर के साथ ही ज्वेरेव ने चैंपियनशिप ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया। पूरे मैच के दौरान ज्वेरेव की पहली सर्विस की गति 210 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही, जिसने कोबोली की वापसी की हर कोशिश को नाकाम कर दिया।

इस ऐतिहासिक खिताबी जीत के साथ ही ज्वेरेव ने 2,800,000 यूरो यानी लगभग 30 करोड़ 80 लाख रुपये की मोटी इनामी राशि अर्जित की है। वहीं, पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय फ्लेवियो कोबोली को उपविजेता के रूप में 1,400,000 यूरो यानी करीब 15 करोड़ 42 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली है। जीत के बाद ज्वेरेव काफी भावुक नजर आए और उन्होंने कहा कि पेरिस की यह लाल मिट्टी हमेशा उनके लिए विशेष रहेगी और कोबोली का खेल भविष्य की नई संभावनाओं को दर्शाता है। 4 घंटे 13 मिनट तक चले इस मैराथन मुकाबले ने यह सिद्ध कर दिया कि ज्वेरेव अब विश्व टेनिस के सबसे बड़े मंच पर अपनी जगह स्थायी रूप से बना चुके हैं। फिलिप-चेट्रियर स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर नए चैंपियन का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष बने तमीम इकबाल, पारदर्शिता और सुधार का किया वादा

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष चुन लिया गया। निर्विरोध निर्वाचित हुए तमीम ने बोर्ड की कमान संभालते हुए पारदर्शिता बढ़ाने, खिलाड़ियों को सम्मान दिलाने और बांग्लादेश क्रिकेट की छवि को फिर से मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

36 वर्षीय तमीम अगले चार वर्षों तक बोर्ड का नेतृत्व करेंगे। चुनाव के बाद उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान से अधिक एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने क्रिकेट प्रशासन को लेकर कई मुद्दे उठाए थे और अब उन्हें खुद को साबित करने का अवसर मिला है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आयोजित चुनाव में 23 निदेशकों का चयन किया गया, जबकि सरकार द्वारा नामित दो प्रतिनिधियों के शामिल होने के बाद बोर्ड की कुल सदस्य संख्या 25 हो गई। इसके बाद नई परिषद ने सर्वसम्मति से तमीम को अध्यक्ष चुना।

तमीम ने अपने कार्यकाल की प्राथमिकताओं में आधुनिक हाई परफार्मेंस सेंटर (एचपीसी) की स्थापना को सबसे ऊपर बताया। उन्होंने कहा कि यह उनका सबसे बड़ा सपना है और इसके लिए सरकार का सहयोग भी आवश्यक होगा। प्रस्तावित केंद्र को ढाका के निकट पूर्वांचल क्षेत्र में विकसित करने की योजना है, जो मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं की तुलना में कहीं अधिक उन्नत होगा।

नए अध्यक्ष ने बांग्लादेश क्रिकेट की हालिया चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, जिससे क्रिकेट की छवि प्रभावित हुई। तमीम ने जोर देकर कहा कि वर्तमान और पूर्व दोनों खिलाड़ियों के सम्मान और सहभागिता को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने बोर्ड के कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता का भरोसा भी दिलाया। तमीम ने कहा कि उनका लक्ष्य ईमानदारी के साथ काम करना है और यदि कोई गलती होती है तो उसे जल्द से जल्द सुधारने की कोशिश की जाएगी।

बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक तमीम इकबाल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 391 मैच खेले और तीनों प्रारूपों में 15,000 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने बांग्लादेश को 21 जीत दिलाईं, जिनमें 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे श्रृंखला जीत भी शामिल है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2025 की शुरुआत में संन्यास लेने के बाद भी तमीम घरेलू क्रिकेट खेलते रहे, लेकिन ढाका प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने के बाद उनके खेल करियर का अंत हो गया। अब वह प्रशासनिक भूमिका में बांग्लादेश क्रिकेट को नई दिशा देने की जिम्मेदारी संभालेंगे।